संजौली कॉलेज में 'नशा मुक्त हिमाचल' मुहिम के दूसरे दिन हुई अभिभावकों के साथ परिचर्चा, एक सुर से उठी नशे के दानव के समूल विनाश की मांग।

संजौली कॉलेज में 'नशा मुक्त हिमाचल' मुहिम के दूसरे दिन हुई अभिभावकों के साथ परिचर्चा, एक सुर से उठी नशे के दानव के समूल विनाश की मांग।

आज दिनांक 16 नवंबर 2019 को उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र राजकीय महाविद्यालय संजौली शिमला में प्राचार्य डॉ चंद्र भान मेहता ने अभिभावकों के साथ पी टीए के मंच के माध्यम से ड्रग एडिक्शन की समस्या और समाधान के बारे में चर्चा की। प्राचार्य ने अभिभावकों को सलाह दी कि सभी अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें और उनके साथ अनिवार्य व्यक्तिगत समय बिताएं। डॉ मेहता ने कहा कि सबसे पहले बच्चे का टाईम टेबल चैक करें और यह भी ध्यान रखें कि उसका क्या परिवेश है? आज हम एक बड़ी समस्या से जूझ रहे हैं, समस्या है नशा। आज युवाओं में नशे के प्रति झुकाव अधिक हो रहा है, यदि युवा नशे में संलिप्त होते हैं तो हमारी पूरी पीढ़ी दिशाहीन हो जाती है। इसलिए हमें इस कुरीति पर विजय हासिल करनी है।

कॉलेज के सेमिनार हाल में आयोजित इस कार्यक्रम में सबसे पहले नशे के दुष्परिणामों को दर्शाती एक लघु फ़िल्म दिखाई गई। इस लघु फ़िल्म के माध्यम से यह भी बताया गया कि ड्रग एडिक्शन से हमारा युवा कई बीमारियों का शिकार हो जाता है।

बैठक में आम सहमति से निर्णय लिया गया कि अभिभावक भी अपने स्तर पर परिवार और समाज में नशे के दानव के समूल विनाश के लिए हर स्तर पर सहयोग एवं कोशिश करते रहेंगे।